भाषा माधुरी

(कक्षा-चौथी)

प्रकाशन विभाग

डी.ए.वी. कॉलेज प्रबंधकर्त्री समिति

चित्रगुप्त मार्ग, नयी दिल्ली-110055

विषय-सूची

क्रम संख्या	पाठ	पृष्ठ संख्या
1.	फैलती चप्पलें	1
2.	उलटा-पुलटा	6
3.	अनोखा ढंग	10
4.	मित्रता	16
5.	सेर को सवा सेर	23
6.	पहली बारिश	25
7.	दादी का रेडियो	31
8.	किस्से-कहावतों की दुनिया	36
9.	नानी की नाव चली	43
10.	एक बौना और लकड़हारा	46
11.	मौसम	52
12.	आँख-मिचौनी	57
13.	चतुर चित्रकार	59
14.	एक थी स्वाति	63
15.	होली के रंग हज़ार	68
16.	ऐसे भी बच्चे	75
17.	कोयल	81
18.	खत पहुँचे सक्को को	86

1 फैलती चप्पलें

जूतों की दुकान पर जाते समय रास्ते में–

घर लौटने पर–

दादी माँ! ये लीजिए आपकी प्लास्टिक की नई चप्पलें।
जीता रह, सुप्पंदी। ला, पहनकर तो देखूँ।
अरे बेटा... ये तो छोटी? हैं...! दुकान से बदलवाकर दूसरी जोड़ी ले आ।
इससे भी बढ़िया तरकीब सूझी।
इस तवे पर तपा लेता हूँ। अपने आप बड़ी हो जाएँगी।
हि स स ऽऽऽ
हि स स ऽऽऽ

थोड़ी देर बाद...

—पी. भारती/अनंत पै की कहानी पर आधारित

शब्दार्थ: गायब—खो जाना

अभ्यास

कहानी में से

1. दादी माँ ने सुप्पंदी को क्या लाने के लिए कहा?
2. दादी माँ ने चप्पलों को बदलवाने के लिए क्यों कहा?
3. सुप्पंदी के मन में ऐसा विचार क्यों आया कि छोटी चप्पलों को गरम करने पर वे बड़ी हो जाएँगी?

बातचीत के लिए

1. जूतों की दुकान पर जाते हुए सुप्पंदी ने क्या बात सीखी?
2. दादी माँ ने सुप्पंदी को कितने पैसे दिए होंगे?
3. अगर चप्पलें चमड़े की होतीं तो क्या होता?
4. किसी ऐसी घटना का वर्णन कीजिए जब आप अपने दादा-दादी के लिए कुछ लाए हों और उन्होंने आपकी बहुत प्रशंसा की हो।

ज़रा सोचिए

नीचे दी गई चीज़ों में से जो चीज़ें गरम होने पर अपना आकार बदल सकती हैं, उन पर सही (✓) का निशान लगाइए–

(क)	रेशमी साड़ी	☐	(घ)	पत्थर	☐
(ख)	प्लास्टिक की तार	☐	(ङ)	आइसक्रीम	☐
(ग)	मक्खन	☐	(च)	लोहे का बक्सा	☐

भाषा की बात

1. 'दुकान' शब्द में एक शब्द छिपा है– 'कान'। बताइए, इनमें कौन-से शब्द छिपे हैं–

गायब	छिपकली	गिलहरी	निहारना	सबक
....	....	....	....	....

2. शब्द लड़ी बनाइए–

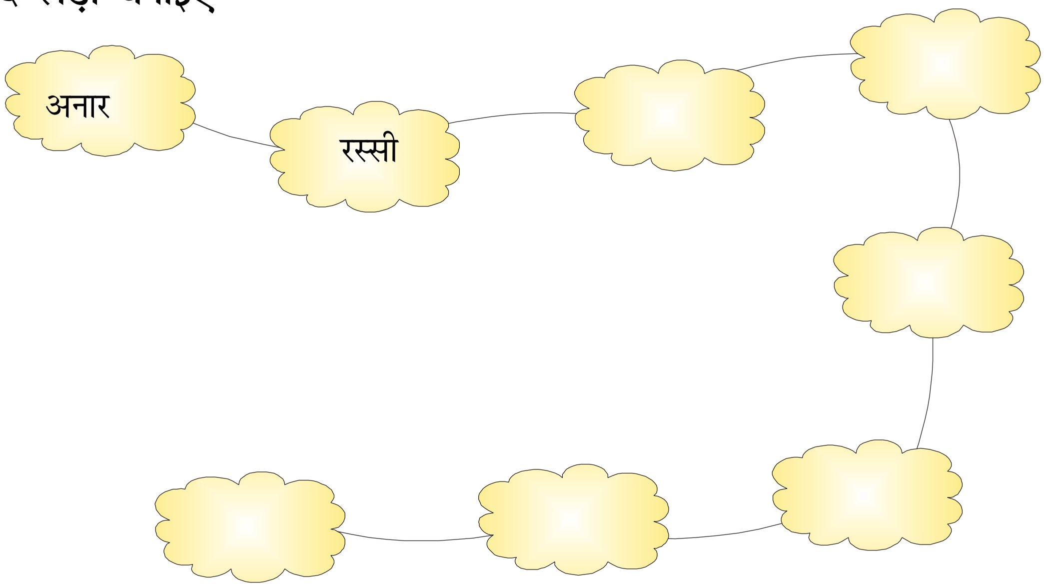

3. नीचे दिए गए शब्दों में से संज्ञा शब्दों पर घेरा लगाइए–

प्लास्टिक अच्छा दादी पटरी नई

जीवन मूल्य

1. ''दादी माँ, ये लीजिए आपकी प्लास्टिक की नई चप्पलें।''
   - सुप्पंदी अपनी दादी के लिए नई चप्पलें लाया, क्यों?
   - आप अपने दादा-दादी की मदद किस प्रकार करते हैं?
2. ''जीता रह, सुप्पंदी।''
   - दादी के इस कथन में उनकी कौन-सी भावना छिपी है?
   - इस संवाद के आधार पर क्या आप कह सकते हैं–कर भला तो हो भला।

कुछ करने के लिए

अपनी दादी माँ के लिए काग़ज़ का एक सुंदर बैग बनाइए।

2 उलटा-पुलटा

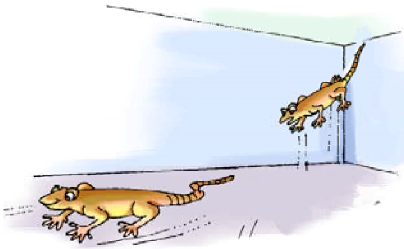

चलते-चलते निचली छत से
गिरती जब छिपकली छपाक,
तुरंत सँभल जाती उस **क्षण** ही
उठ चल देती अपने आप।

ऊपर की डाली से बंदर
जब आ गिरता है नीचे,
झटपट पकड़ दूसरी डाली
हँसता है आँखें मींचे।

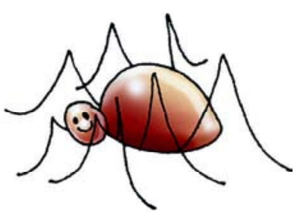

तिलचट्टे, चींटे जब चलते
एकाएक पलट जाते हैं,
झटक हाथ-पैरों को अपने
फिर सीधे हो चल पाते हैं।

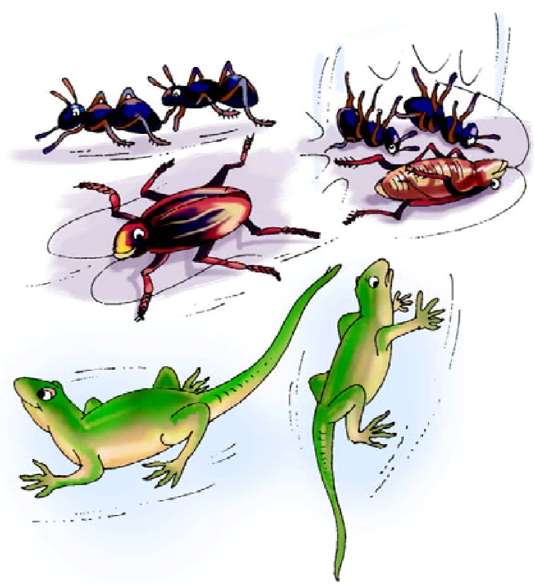

चींटी गिरती, मकड़े गिरते
गिरगिट गिरते और सँभलते,
गिरने पर वे साहस खोकर
कभी न अपनी आँखें मलते।

गिरने और पिछड़ने पर
जो हिम्मत खोते, पछताते हैं।
धूल झाड़ जो तुरंत सँभलते
वे जीवन में सुख पाते हैं।

—भगवती प्रसाद द्विवेदी

शब्दार्थः क्षण—पल, **झटपट**—एकदम

अभ्यास

कविता में से

1. गिरगिट और मकड़ी गिरने के बाद क्या करते हैं?
2. कैसे व्यक्ति पछताते हैं?
3. कौन-से व्यक्ति सुख पाते हैं?
4. गिरने पर हिम्मत क्यों नहीं हारनी चाहिए?

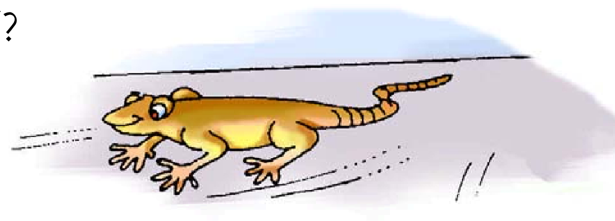

बातचीत के लिए

1. बंदर आँख मींचकर हँसता है। आप भी कभी-कभी आँख मींचकर हँसते हैं। क्यों?
2. चींटी, मकड़े छिपकली आदि कैसे गिर जाते होंगे?
3. बताइए, ये हमारे घरों में कहाँ मिलते हैं–

   मकड़ी चींटियाँ छिपकली तिलचट्टे
4. आप कब-कब हिम्मत खोने लगते हैं? उस समय आपकी मदद कौन करता है और कैसे करता है?
5. कवि ने इस कविता को 'उलटा-पुलटा' नाम क्यों दिया होगा? आप भी कोई शीर्षक बताइए।

आपकी कल्पना

अगर आपके पूरे घर में छिपकली, चीटें और तिलचट्टे आ जाएँ तो क्या होगा?

भाषा की बात

1. नीचे दिए गए शब्दों में सही जगह पर (ं) या (ँ) लगाइए–

चीटी आख बदर हसता

2. समान तुक वाले शब्द लिखिए–

(क)	डाली	...माली......	....जाली.....	....काली.....
(ख)	चल	....	....	....
(ग)	झटक	....	....	....
(घ)	जब	....	....	....

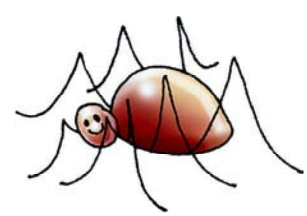

3. कविता में जो-जो भी जीव-जंतु आए हैं, उनमें से किसी एक पर कविता बनाइए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

4. छिपकली छत से गिर जाती है। गिरने पर छिपकली ने क्या कहा होगा? उसकी माँ ने उसे क्या समझाया होगा? छिपकली और उसकी माँ के बीच का संवाद लिखिए–

छिपकली – ....

माँ – ....

छिपकली – ....

माँ – ....

छिपकली – ....

माँ – ....

छिपकली – ....

माँ – ....

छिपकली – ....

माँ – ....

जीवन मूल्य

1. मान लीजिए कि आप पिकनिक पर जा रहे हैं और आप देखते हैं कि नेत्रहीन व्यक्ति को सड़क पार करने में मुश्किल आ रही है। ऐसी परिस्थिति में आप क्या करेंगे?
2. जीवन में आई कठिनाइयों से न घबराकर बंदर, गिरगिट, चींटे, छिपकली आदि सब आगे बढ़ते हैं, क्योंकि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
   - क्या आप इस बात से सहमत हैं? क्यों/क्यों नहीं? बताइए।

कुछ करने के लिए

रंग भरिए–